अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत पंजाब राज्य में कुल 30 स्टेशनों को पुनर्विकास और आधुनिकीकरण के लिए चिह्नित किया गया है : श्री अश्विनी वैष्णव

पंजाब में अब तक 03 स्टेशनों आनंदपुर साहिब, मुक्तसर, साहिबजादा अजीत सिंह नगर मोहाली का कार्य पूरा हो चुका है: श्री अश्विनी वैष्णव

लोक सभा में श्री चरनजीत सिंह चन्नी के द्वारा जालंधर लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र में रेल ओवर ब्रिज परियोजनाएं के संबंध में दिनांक 01.04.2026 को पूछे गए अतारांकित प्रश्न के जवाब में रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि भारतीय रेल पर ऊपरी/निचले सड़क पुलों के कार्यों की स्वीकृति और निष्पादन एक सतत् और निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है। गाड़ी परिचालन में संरक्षा और गतिशीलता पर उनके प्रभाव तथा सड़क उपयोगकर्ताओं पर पड़ने वाले प्रभाव के आधार पर ऐसे कार्यों की प्राथमिकता निर्धारित करके उन्हें शुरू किया जाता है।

2004-14 की तुलना में 2014-26 (जनवरी, 2026 तक) की अवधि के दौरान भारतीय रेल पर निर्मित ऊपरी/निचले सड़क पुलों की संख्या निम्नानुसार है:

अवधि	निर्मित ऊपरी/निचले सड़क पुल
2004-14	4,148 अदद
2014-26 (जनवरी, 2026 तक)	14,024 अदद (पंजाब राज्य में 434 सहित)

दिनांक 01.02.2026 की स्थिति के अनुसार, भारतीय रेल में 1,14,196 करोड़ रूपए की लागत से 4,802 अदद ऊपरी/निचले सड़क पुलों के निर्माण कार्य स्वीकृत किए गए हैं, जिसमें पंजाब राज्य में 1,848 करोड़ रूपए की लागत से 120 अदद ऊपरी/निचले सड़क पुल शामिल हैं, जो योजना और निष्पादन के विभिन्न चरणों में हैं। जालंधर लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र में, 301 करोड़ रुपये की लागत से 19 ऊपरी/निचले सड़क पुलों के कार्यों को मंजूरी दी गई है।

श्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि ऊपरी/निचले सड़क पुलों कार्यों का पूरा होना और चालू होना कई कारकों पर निर्भर करता है जैसे समपार को बंद करने के लिए सहमति देने में राज्य सरकारों का सहयोग, पहुंच मार्ग संरेखण का निर्धारण, सामान्य व्यवस्था आरेखण की स्वीकृति, भूमि अधिग्रहण, अतिक्रमण को हटाना, अतिलंघनकारी जनोपयोगी सेवाओं का स्थानांतरण, विभिन्न प्राधिकरणों से सांविधिक स्वीकृति, परियोजना/कार्य स्थलों के क्षेत्र में कानून और व्यवस्था की स्थिति, जलवायु परिस्थितियों आदि के कारण परियोजना/क्षेत्र विशेष में एक वर्ष में कार्य करने के मौसम की समयावधि आदि। ये सभी कारक परियोजनाओं/कार्यों के समापन समय को प्रभावित करते हैं।

श्री अश्विनी वैष्णव ने उत्तर में कहा कि रेलवे ने कार्यों की प्रगति में तेजी लाने के लिए निम्नलिखित उपाय किए हैः

I. सुचारू निष्पादन सुनिश्चित करने के लिए सामान्य व्यवस्था आरेखण (जीएडी) को अंतिम रूप देने से पहले संबंधित राज्य सरकार/सड़क स्वामित्व प्राधिकरण के साथ संयुक्त सर्वेक्षण किया जाता है।

II. ऊपरी/निचले सड़क पुलों कार्यों से संबंधित विभिन्न मुद्दों को सुलझाने के लिए रेलवे और राज्य सरकार के अधिकारियों के साथ आवधिक बैठकें की जाती हैं।

III. डिजाइन के अनुमोदन के दौरान विलंब से बचने के लिए रेलवे के हिस्से में स्पैन के विभिन्न संयोजनों, तिर्यकता और सड़क की चौड़ाई हेतु अधिसंरचना आरेखणों का मानकीकरण किया गया है। इसे सार-संग्रह के रूप में जारी किया गया है, जिसे रेल लाइनों पर ऊपरी सड़क पुल निर्माण के लिए त्वरित योजना बनाने हेतु सीधे अपनाया जा सकता है।

श्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत पुनर्विकास के लिए जालंधर कैंट रेलवे स्टेशन को चिह्नित किया गया है। जालंधर कैंट रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास कार्यों को स्वीकृति दे दी गई है। जलंधर कैंट स्टेशन पर मुख्य प्रवेश स्टेशन भवन, दूसरे प्रवेश स्टेशन भवन के संरचनात्मक कार्य, प्लेटफॉर्म सतह संबंधी सुधार कार्य, प्लेटफॉर्म शेल्टरों का संरचनात्मक कार्य, थ्रू रूफ का संरचनात्मक कार्य और पैदल पार पुल और एयर कॉनकोर्स का संरचनात्मक कार्य पूरा हो चुका है। मुख्य प्रवेश भवन, दूसरे प्रवेश भवन, प्लेटफॉर्म शेल्टरों, पैदल पार पुल, एयर कॉनकोर्स, थ्रू रूफ की फिनिशिंग और परिचलन क्षेत्र के सुधार कार्य शुरू किए गए हैं।

अमृत भारत स्टेशनों को बेहतर बनाने के लिए मास्टर प्लान तैयार करना और चरणबद्ध तरीके से उनका क्रियान्वयन करना शामिल है। प्रत्येक स्टेशन पर आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए मास्टर प्लानिंग में निम्नलिखित शामिल हैं:

- स्टेशन और परिचलन क्षेत्रों तक पहुँच में सुधार
- शहर के दोनों ओर स्टेशन का एकीकरण
- स्टेशन भवन में सुधार
- प्रतीक्षालय, शौचालय, बैठने की व्यवस्था और पेयजल-बूथों में सुधार
- यात्री यातायात के अनुरूप चौड़े पैदल पार पुल/एयर कॉन्कोर्स का प्रावधान
- लिफ्ट/एस्केलेटर/रैंप का प्रावधान
- प्लेटफ़ॉर्म की सतह में सुधार/प्रावधान और प्लेटफ़ॉर्म को ऊपर से कवर करना
- 'एक स्टेशन एक उत्पाद' जैसी योजनाओं के जरिए स्थानीय उत्पादों के लिए कियोस्क का प्रावधान
- पार्किंग क्षेत्र, मल्टीमोडल एकीकरण
- दिव्यांगजनों के लिए सुविधाएँ
- बेहतर यात्री सूचना प्रणाली
- प्रत्येक स्टेशन पर आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए एग्जीक्यूटीव लाउंज, व्यावसायिक बैठकों के लिए निर्दिष्ट स्थान, भूसुदर्शनीकरण आदि।

इस योजना में आवश्यकतानुसार, चरणबद्ध एवं व्यवहार्य रूप से दीर्घकालिक और पर्यावरण अनुकूल समाधान, गिट्टी रहित पटरियों की व्यवस्था आदि और दीर्घावधि में स्टेशन पर सिटी सेन्टरों के निर्माण की भी परिकल्पना की गई है।

अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत पंजाब राज्य में कुल 30 स्टेशनों को पुनर्विकास और आधुनिकीकरण के लिए चिह्नित किया गया है। इन स्टेशनों की सूची में अबोहर, अमृतसर, आनंदपुर साहिब, ब्यास, बठिंडा जंक्शन, ढंडारी कलां, धुरी, फाजिल्का, फिरोजपुर कैंट, गुरदासपुर, होशियारपुर, जालंधर कैंट जंक्शन, जालंधर सिटी जंक्शन, कपूरथला, कोटकपुरा जंक्शन, लुधियाना जंक्शन, मालेरकोटला, मानसा, मोगा, मुक्तसर, नांगल डैम, पठानकोट कैंट, पठानकोट जंक्शन, पटियाला, फगवाड़ा जंक्शन, फिल्लौर जंक्शन, रूप नगर, साहिबजादा अजीत सिंह नगर मोहाली, संगरूर

और सरहिंद शामिल हैं शामिल हैं। पंजाब में अब तक 03 स्टेशनों (अर्थात आनंदपुर साहिब, मुक्तसर, साहिबजादा अजीत सिंह नगर मोहाली) का कार्य पूरा हो चुका है।

अन्य स्टेशनों पर विकास कार्यों की गतिविधियां अच्छी गति में शुरू किए गए है और कुछ स्टेशनों की प्रगति निम्नानुसार हैः-

- सरहिंद स्टेशनः स्टेशन भवन में सुधार, प्रवेश प्रांगण, शौचालय सुविधा के साथ वातानुकूलित प्रतीक्षालय, द्वितीय श्रेणी प्रतीक्षालय में सुधार, शौचालय ब्लॉक, परिचलन क्षेत्र, पार्किंग, प्रवेश/निकास गेट, प्रकाश और संसूचक पूरा कर लिया गया है। लिफ्ट का कार्य और 12 मी. फुट ओवर ब्रिज का कार्य शुरू किया गया है।

- गुरदासपुर स्टेशनः स्टेशन भवन, प्लेटफ़ॉर्म शेल्टर, प्लेटफ़ॉर्म की सतह में सुधार, प्रतीक्षालय, शौचालय, परिचलन क्षेत्र, प्रांगण और प्रकाश व्यवस्था का कार्य पूरा कर लिया गया है। नए प्लेटफार्म नं. 2, बुकिंग एवं प्रतीक्षालय, परिचलन क्षेत्र, पार्किंग, मुख्य प्रवेश और दूसरी ओर प्रवेश/निकास गेट और 12 मी. फुट ओवर ब्रिज का कार्य शुरू किया गया है।

- पटियाला स्टेशनः स्टेशन भवन, प्रवेश प्रांगण, प्लेटफार्म शेल्टर, प्रतीक्षालय, विश्रामालय, शौचालय, परिचलन क्षेत्र, पार्किंग, प्रवेश/निकास गेट और संसूचक का सुधार कार्य पूरा किया गया है। प्लेटफार्म की सतह, दूसरे प्रवेश द्वार का विकास, लिफ्ट और 12 मीटर फुट ओवर ब्रिज का कार्य शुरू किया गया है।

श्री अश्विनी वैष्णव ने प्रश्न के उत्तर में कहा कि स्टेशनों का विकास/उन्नयन जटिल प्रकृति का होता है जिसमें यात्रियों और रेलगाड़ियों की संरक्षा शामिल होती है और इसके लिए दमकल विभाग की मंजूरी, धरोहर, पेड़ों की कटाई, विमानपत्तन संबंधी स्वीकृति इत्यादि जैसी विभिन्न सांविधिक स्वीकृतियों की आवश्यकता होती है। इनकी प्रगति जनोपयोगी सेवाओं को स्थानांतरित करना, (जिनमें जल/सीवेज लाइन, ऑप्टिकल फाइबर केबल, गैस पाइप लाइन, पावर/सिगनल केबल इत्यादि शामिल हैं) अतिलंघन, यात्री संचलन को बाधित किए बिना रेलगाड़ियों का परिचालन, रेलपथ एवं उच्च वोल्टेज बिजली लाइनों के नजदीक किए जाने वाले कार्यों के कारण गति प्रतिबंध आदि

जैसी ब्राउनफील्ड संबंधी चुनौतियों के कारण भी प्रभावित होती हैं और ये कारक कार्य को पूरा करने के समय को प्रभावित करते हैं।

****